अध्याय–18

आवास

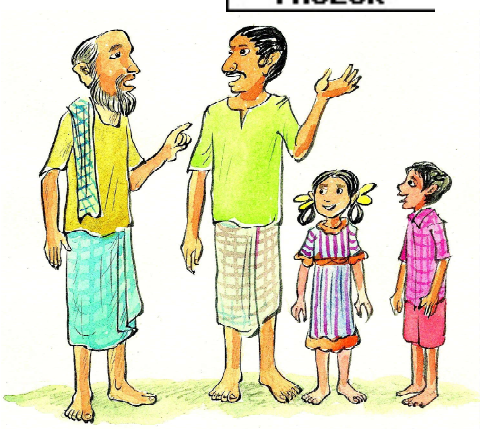

सुखदा का गाँव शहर के नज़दीक है। गाँव से सैकड़ों लोग काम–काज के लिए शहर जाते हैं और शाम तक वापस आ जाते हैं। शहर से लौट कर इकबाल काका ने सुखदा के दादाजी को बताया कि गाँव के पूरब की तरफ की जमीनों पर कॉलोनियाँ बनने वाली हैं। बहुत से घर बनाए जाएँगे। कुछ इमारतें एकमंजिला होंगी, कुछ बहुमंजिला। वहाँ बाजार, बच्चों के लिए पार्क आदि की सुविधाएँ होंगी। इनके अलावा कॉलोनियों के लिए सड़कों के साथ बिजली पानी का इंतजाम भी किया जाएगा। सुखदा और संजय भी इकबाल काका और दादाजी की बातें सुन उनके पास आए। संजय ने पूछा–दादाजी आखिर हम घर क्यों बनाते हैं?

आप भी सोचकर बताइए कि घर क्यों बनाए जाते हैं?

_____

_____

_____

सुखदा ने बताया कि घर हमें तेज धूप, बरसात और ठंड़ से बचाते हैं। जंगली जानवर और चोर–बदमाश से भी हम सुरक्षित रहते हैं। आवास में हमें निजता का अनुभव होता है और हम पढ़ना–लिखना, खाना –सोना आदि कार्य आराम से कर पाते हैं।

इकबाल काका बोले– बिल्कुल ठीक बताया, पर्यावरण की अलग अलग परिस्थितियों से निपटने के लिए हम घर बनाते हैं। बच्चों तुम्हें पता है कि पहले तो चार–पाँच परिवार के लोग अपने खेतों के आस पास घर बना लेते थे और धीरे धीरे वहाँ गाँव बस जाता था। लेकिन आजकल तो जहाँ कल–कारखाने, बडे–बडे व्यवसाय, कॉलेज खुलते हैं लोग उसी

के आस–पास ज़मीन खरीद कर घर बना लेते है। कभी–कभी सरकार भी इन क्षेत्रों में घर बना कर लोगों को देती है।

घर बनाने के बारे में सुखदा और इकबाल काका की बातों से आपको क्या–क्या जानने को मिला? कोई पाँच बातें लिखिए।

_____

_____

_____

कॉलोनी क्या होती है?

_____

_____

सुखदा ने कॉलोनी की बात जब कक्षा में अपने दोस्तों से की तो अली हसन ने बताया कि उसने भी गाँव के एक छोर पर कॉलोनियाँ बनने की बातें अखबारों में पढ़ी हैं। उसने यह भी बताया कि सरकार वहाँ पर एक कृषि विश्वविद्यालय खोल रही है। इसी कारण वहाँ यह कॉलोनी बनायी जा रही है। उसमें वहाँ काम करने वाले लोगों के परिवार रहेंगे।

गीता ने कहा– ठीक ही तो है। हमें खेलने–कूदने के लिए नए दोस्त भी मिल जाएँगे, लेकिन इन्होंने अपने गाँव को ही क्यों चुना?

यह सब सुनकर शिक्षक बोले– हमारे गाँव की ज़मीन बहुत उपजाऊ है। जिस जगह कृषि विश्वविद्यालय खोला जा रहा है वह सरकारी ज़मीन बहुत समय से खाली पड़ी है। अतः उसका उपयोग भी हो जाएगा और वे लोग वहाँ कृषि संबंधित कई सारे प्रयोग भी कर पाएँगे। शायद यही कारण रहा होगा हमारे गाँव को चुनने का।

तब गीता ने पूछा– क्या शहर में उपजाऊ ज़मीन नहीं हैं?

शिक्षक– नहीं ऐसी बात नहीं है। आजकल बहुत सारे लोग रोजी–रोजगार की तलाश में अपने गाँव, कस्बों, मुहल्लों से बड़े शहरों की ओर जाने लगे हैं। शहरों में आवास की आवश्यकताएँ बढ़ने लगी है। शहरों में जमीन महँगी हो गई है।

कृषि विश्वविद्यालय के लिए गाँव को चुनने का कोई और कारण अपने दोस्तों से चर्चा कर लिखिए।

_____

_____

_____

गाँव से लोग बड़े शहरों की ओर क्यों जाते हैं?

_____

_____

शहरों में जमीन महँगी क्यों हो गई है?

_____

_____

अली हसन ने पूछा– क्या कॉलोनियों में भी छप्पर, फूस व मिटटी के घर बनेंगे?

शिक्षक ने बताया– कॉलोनियों में गाँव की हवेलियों कि तरह सीमेंट, कंक्रीट, ईंट, पत्थर आदि से बनी इमारतें होती हैं। सभी आवासों के लिए पानी, नाली, साफ–सफाई की व्यवस्था अलग से होती है। कई कॉलोनियों में ''कम्यूनिटी हॉल'' या सामुदायिक भवन होते हैं। इस हॉल में शादी, जन्मदिन व पार्टियॉ आदि कार्यक्रम किए जाते हैं।

कॉलोनी में सीमित क्षेत्र में कई परिवार रहते हैं। पड़ोसी अक्सर अन्य जिले या राज्य के होते हैं। सब की जाति–धर्म अलग होते हैं, पर सामूहिक जीवन एक समान होता है। सब मिलकर होली, दिवाली, ईद आदि त्योहार मनाते हैं।

ग्रामीण क्षेत्र एवं शहर के आवास में क्या भिन्नताएँ हैं?

_____

_____

_____

_____

पाठ को पढ़कर आपको कॉलोनियों के बारे में क्या–क्या जानने को मिला? कोई पाँच बातें लिखिए।

_____

_____

_____

_____

कॉलोनियाँ बनने से गाँव वालों के जन–जीवन पर क्या असर पड़ेगा? सोचकर लिखिए।

_____

_____

_____

_____

परियोजना कार्य

आप शहर के किसी कॉलोनी में जाकर उसे देखिए। गाँव के घरों से तुलना कर एक चार्ट बनाइए। कॉलोनी के एक घर का चित्र बनाइए।

इस चित्र में क्या दिखाया गया है ? अपनी कॉपी में लिखिए। इस तरह के चित्रों के बारे में जानकारी इकट्ठा कीजिए।